

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त परियोजनाओं के तकनीकी परीक्षण हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की 683वीं बैठक दिनांक 29/09/2023 को डॉ. पी.सी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समिति के निम्नलिखित सदस्य स्वयं/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहें :—

1. श्री राघवेन्द्र श्रीवास्तव, सदस्य ।
2. डॉ. ए.के. शर्मा, सदस्य ।
3. डॉ. जय प्रकाश शुक्ला, सदस्य ।
4. डॉ. रवि बिहारी श्रीवास्तव, सदस्य ।
5. श्री चन्द्र मोहन ठाकुर, सदस्य सचिव ।

सभी सदस्यों द्वारा अध्यक्ष महोदय के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ करते हुए बैठक के निर्धारित एजेण्डा अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रोजेक्ट्सों का तकनीकी परीक्षण निम्नानुसार किया गया :—

1. Case No 10442/2023 Ms Mina Adbhute, Lessee, R/o Village-Nahiya, Tehsil-Betul, District-Betul (MP)-460553, Prior Environment Clearance for Nahiya Stone Quarry in an area of 2.00 ha. (11191 cum per year) (Khasra No. 51), Village-Nahiya, Tehsil-Betul, District-Betul (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 29/9/23 को परियोजना प्रस्तावक **Ms Mina Adbhute** (ऑनलाईन) एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री राम राघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी, बडौदा, गुजराज उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी का नाम व पता	MINA ADBHUTE, LESSEE, R/o- Village- Nahiya, Tehsil- Betul, District- Betul, M.P.
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	51 (सरकारी —नॉन फॉरेस्ट लैंड)
स्थल	Village Nahiya, Tehsil Betul, District Betul (M.P.).
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बैतूल के पत्र क्रमांक 331 दिनांक 25/02/16 के द्वारा स्वीकृत ।
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।
नया/क्षमता विस्तार	नया प्रोजेक्ट ।
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	डिया बैतूल के पत्र क्रमांक 69 दिनांक 05/10/16 के द्वारा पत्थर—11,305 घनमीटर/वर्ष हेतु पर्यावरणीय अनापत्ति प्राप्त है ।

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर-11,191 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार पत्थर-11,191 घनमीटर/वर्ष है।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बैतूल के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 234 दिनांक 08/02/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत थी, जिसकी अवधि 04/04/13 से दिनांक 03/04/23 तक हैं, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बैतूल के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 234 दिनांक 08/02/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बैतूल के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 234 दिनांक 08/02/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत नाहिया जिला बैतूल के ठहराव प्रस्ताव दिनांक 14/04/15 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-17 के सरल क्रमांक-5 पर दर्ज है।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने यह पाया कि परिवेश पोर्टल पर जो गूगल ईमेज अपलोड है उसके आक्षांश/देशांश का मिलान माईनिंग प्लान के आक्षांश/देशांश से नहीं होता परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि त्रुटिवश ऐसा हो गया है। अतः समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निर्देश दिये कि जिला खनिज अधिकारी से आक्षांश-देशांश को प्रमाणित कराकर पुनः प्रस्तुत करे।

- Case No 10353/2023 Shri SATENDRA SINGH, OIC-MPSMCL (कनिष्ठ प्रबंधक संभागीय/ कार्यालय रायसेन, Geenni Chkampaund Minakshi Chouk, Geenni Kampaund, RAISEN (M.P.) Prior Environment Clearance for Barkhedighat Sand Quarry in an area of 0.77 ha. (4620 cum per year) (Khasra No. 72), Village-Berkheri Ghat, Tehsil-Raisen, District-Raisen (MP)**

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 29/9/23 को परियोजना प्रस्तावक **Shri SATENDRA SINGH** एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री कृष्ण चंद्र पाण्डा, मेसर्स ओशियो इंडिया रो मैनेजमेंट सॉल्यूशन्स (इं) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. उपस्थित हुए एवं साथ में श्री ताम्रकार, खनिज अधिकारी, रायसेन समिति के समक्ष भी उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri SATENDRA SINGH, OIC-MPSMCL(कनिष्ठ प्रबंधक)संभागीय कार्यालय रायसेन, Geenni Chkampaund Minakshi Chouk, Geenni Kampaund, RAISEN)M.P.)	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	72 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	0.77 hectares
स्थल	VILLAGE BARKHEDIGHAT, TEHSIL & DISTRICT RAISEN (M.P.)	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज अनुसार स्थिति	यह खदान बेतवा नदी में स्थित है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-4620 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-4620 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रायसेन के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 929 दिनांक 16/08/22 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रायसेन के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 929 दिनांक 16/08/22 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रायसेन के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 929 दिनांक 16/08/22 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत मेढकी जिला रायसेन के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक -1 दिनांक 11/09/19 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर रेत खनन से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-68 के सरल क्रमांक-49 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल-13,860 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 4620 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि –

- खदान की सीमा से 954 मी दूरी पर पक्की सड़क है अतः सेटबेक देते हुए 1 कि.मी की दूरी का निर्धारण किया गया है ।
- सेट बेक छोड़ने के पश्चात पुनरक्षित रेत माईनिंग पोन्टेशियल 13820 घनमीटर उपलब्ध होता है, जबकि परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत की मांग 4620 घनमीटर चाही गई है। अतः समिति रेत की मात्रा 4620 घनमीटर की अनुशंसा करती है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत जानकारी एवं दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति निम्नानुसार विशिष्ट शर्तों एवं संलग्नक-ए अनुसार स्टैण्डर्ड शर्तों के साथ अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत 4620 घनमीटर/वर्ष हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 03.27 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 1.51 लाख प्रति वर्ष ।
2. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.10 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि(रु. में)
अधोसंरचना विकास के लिए राजकीय विद्यालय रतनपुर गिरधारी के पालक शिक्षक संघ में अग्रलिखित धन राशी जमा कराई जाएगी भू प्रवेश के 3 माह के अंदर	10,000

3. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 3 वर्षों तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 924 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्रं.	वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	पंक्ति 1- नदी किनारे (दूरी 2.5 से 2.0	करंज, अर्जुन, शहतूत, जामुन, कटंग बांस, खस	224

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

	फीट प्रति पौधा)	घास एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ आदि	
2	ग्राम बेरखेडीघाट के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आंवला, मुनगा, अमरुद, सीताफल, पपीता, आम, नींबू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	700
✓	वृक्षों का रोपण एवं वितरण प्रथम वर्ष में पोधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति /स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा खनन् अवधि तक कराया जायेगा।		
✓	प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा।		
✓	एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पोधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे।		
टीप :	वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख-रखाव किया जावेगा। परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थनीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेगें तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी।		

अनुशंसा :- प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर अपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुसंशा की जाती है ।

3. Case No 10352/2023 Shri RAJENDRA BAJPAI, OIC-MPSMCL (प्रबंधक संभागीय(कार्यालय भोपाल, 172 gh, Opp-Govt. Middle School, Village- Bawadia Kalan, BHOPAL (M.P.) Prior Environment Clearance for Danvas Sand Quarry in an area of 2.00 ha. (5850 cum per year) (Khasra No. 24), Village-Danwas, Tehsil-Lateri, District-Vidisha (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 29/9/23 को परियोजना प्रस्तावक **Shri RAJENDRA BAJPAI** एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री कृष्ण चंद्र पाण्डा, मेसर्स ओशियो इंवायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन्स (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. उपस्थित हुए एवं साथ में श्री पंकज वानखेडे, खनिज निरीक्षक, विदिशा समिति के समक्ष भी उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri RAJENDRA BAJPAI, OIC-MPSMCL(प्रबंधक)संभागीय कार्यालय भोपाल 172 gh, Opp-Govt. Middle School, Village- Bawadia Kalan, BHOPAL (M.P.)	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	24 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	2.00 ha.
स्थल	VILLAGE- DANVAS, TEHSIL-LATERI, DISTRICT- IDISHA(M.P.)	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

	2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-1/बी-2
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज अनुसार स्थिति	यह खदान सगड़ नदी में स्थित है ।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-5850 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-5850 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला विदिशा के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 707 दिनांक 24/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला विदिशा के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 707 दिनांक 24/03/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला विदिशा के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 707 दिनांक 24/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत दनवास जिला विदिशा के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-2 दिनांक 01/07/23 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर रेत खनन से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-37 के सरल क्रमांक-15 पर दर्ज है, जिसमें माईनेबल मिनरल पोटेन्शियल-5850 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 5850 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान सगर नदी का बहाव की दिशा में रपटा कम स्टाप डेम (लघु संरचना) देखने में पाई गई। सेंड गार्डलाईन 2020 के पेज न. 24 पैरा "आर" अनुसार प्रस्तुत विकल्पों में संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुये नदी के कोर्स अनुसार रपटा कम स्टाप डेम से 250 मी. रेत खनन कार्य प्रतिबंधित रखा गया है। **माईनेबल शेष एरिया 1.28 हे. माईनिंग पोन्टेन्शियल 6400 क्यू मी. है उसका 60 प्रतिशत 3840 पाया गया परियोजना प्रस्तावक की मांग 5850 क्यू मी है संवेदनशीलता की दृष्टि**

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

को ध्यान में रखते हुये कुल 3840 क्यू मी. निर्धारित की जाती है। माईनिंग आफिसर द्वारा ग्रीष्मकाल में नदी के सुखने का प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण में संलग्न है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत जानकारी एवं दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति निम्नानुसार विशिष्ट शर्तों एवं संलग्नक—ए अनुसार स्टेण्डर्ड शर्तों के साथ अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत 3840 घनमीटर/वर्ष हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

- पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 02.18 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 2.37 लाख प्रति वर्ष ।
- सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.15 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि(रु. में)
अधोसंरचना विकास के लिए राजकीय प्राथमिक विद्यालय दानवास के पालक शिक्षक संघ में अग्रलिखित धन राशी जमा कराई जाएगी भू प्रवेश के 3 माह के अंदर	15,000

- निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 3 वर्षों तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1000 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	ग्राम दनवास के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आंवला, मुनगा, अमरुद, सीताफल, पपीता, आम, नींबू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1000
✓ वृक्षों का रोपण एवं वितरण प्रथम वर्ष में पौधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति /स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा खनन अवधि तक कराया जायेगा। ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा। ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे। टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख-रखाव किया जावेगा। परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थनीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेगें तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी।			

अनुशंसा :- प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर अपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुसंशा की जाती है ।

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

4. **Case No. - 10336/2023 Shri Gayaprsad Anjne, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Karkati Sand Deposit in an area of 2.023 ha. (36,414 cum per year) (Khasra No. 36), Village-Karkati, Tehsil-Pali, District-Umariya (MP)**

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 29/9/2023 को परियोजना प्रस्तावक Shri Gayaprsad Anjne, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP) एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री कृष्ण चंद्र पाण्डा, मे0. ओसियो इंवारेो मैनेजमेंट सॉल्युशन (इ) प्रा. लि. गाजियाबाद (उ.प्र.), उपस्थित हुए एवं साथ में श्री दिवाकर चतुर्वेदी, खनिज निरीक्षक, उमरिया समिति के समक्ष भी उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / संस्थान का नाम व पता	Shri Gayaprsad Anjne, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, E-mail-umariyampsml@gmail.com, Mobile-9926850963, Prior Environment Clearance for Karkati Sand Deposit in an area of 2.023 ha. (36,414 cum per year) (Khasra No. 36), Village-Karkati, Tehsil-Pali, District-Umariya (MP) [432169]	
परियोजना का खसरा नं./एरिया	खसरा न0.- 36, एरिया - 2.023 हे.	शासकीय
परियोजना स्थल	ग्राम- करकाटी, तह.-पाली, जिला-उमरिया (म.प्र.).	
परियोजना श्रेणी	बी-2 श्रेणी,	
सैद्धांतिक सहमति	पत्र क्र0. 756 दिनांक 26/05/2023.	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान बरुहा नाला में स्थित है।	
डिया ई.सी. स्थिति	लागू नहीं।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत - 36,414 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत - 36,414 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।	
परियोजना के 500 मीटर की परिधि में संचालित /स्वीकृत अन्य खदानों का विवरण	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला - उमरिया के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 980 दिनांक 21/07/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं हैं, जिनको मिलाकर कुल रकबा 2.023 हे0. होता है, अतः प्रकरण बी. - 2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।	
परियोजना के संबंध में डीएफओ की	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उमरिया के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 980 दिनांक 21/07/2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

एनओसी	नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
परियोजना के संबंध राजस्व जानकारी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उमरिया के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 980 दिनांक 21/07/2023 के अनुसार खनि निरीक्षक व सर्वेयर के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार आवेदित क्षेत्र से 500 की दूरी पर शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है। खनि निरीक्षक व सर्वेयर के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार आवेदित क्षेत्र से मानव बसाहट— 220 मी. की दूरी पर है। ● तहसीलदार, तहसील-पाली जिला उमरिया (म.प्र.) के प्रतिवेदन दिनांक क्रमांक 0091/17-18 दिनांक 20/08/2018 एवं खनिज निरीक्षक व सर्वेयर जिला उमरिया (म.प्र.) के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार आवेदित क्षेत्र से 500 मी. की दूरी पर कोई जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है। आवेदित क्षेत्र रेत खदान हेतु बरुहा नाला के रूप में स्थित है। ● खनिज निरीक्षक व सर्वेयर जिला उमरिया (म.प्र.)के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार आवेदित क्षेत्र के 500 मीटर की परिधि में खनिज रेत एवं अन्य खनिजों के कोई भी खदान/उत्खनिपट्टा/खनिपट्टा स्वीकृत नहीं है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनुमति	ग्राम पंचायत बरहाई जिला उमरिया के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक दिनांक 15/04/2018 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपित्त नहीं है।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.- 13 के सरल क्रमांक - 24 पर दर्ज है जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल- घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि डी.एस.आर के पृष्ठ क्रमांक 78 प्रस्तावित मात्रा 36414 की मांग की है। तथा केएम एल फाईल का अवलोकन किया गया डी.एस.आर में रिप्लेनेशमेन्ट स्टडी के ऑकडे देखने पर विदित हुआ की दोनो का अंतर 10000 आता है। अतः डीएसआर मे विगत 03 वर्षों तक अधिकतम प्राप्त रेत 6700 दर्शायी गई है जो रिप्लेनेशमेन्ट स्टडी से समरूप है, अतः मांग की

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

मात्रा तथ्य परख नहीं है। उपरोक्त संबंध में उपस्थित खनिज निरीक्षक, उमरिया द्वारा बताया गया कि कोरोना काल के कारण विगत वर्षों में रेत का खनन कार्य नहीं हुआ था अतः रेत की वांछित मात्रा उपलब्ध हो सकेगी। अतः समिति ने खनिज निरीक्षक के तथ्य को मान्य करते हुये निर्णय लिया कि मांगी गई 36414 क्यू मी. की अनुशंसा की जाती है। समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निर्देश दिये कि उक्त वर्तमान में नदी के दानो तरफ नदी के किनारे वृक्ष हैं, उन्हें क्षति न हो और 1000 पौधे ग्रामिणों के खेत के मांग के अनुरूप फलदार पौधे प्रदाय किये जाये।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत जानकारी एवं दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति निम्नानुसार विशिष्ट शर्तों एवं संलग्नक-ए अनुसार स्टेण्डर्ड शर्तों के साथ अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत 36,414 घनमीटर/वर्ष हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 03.51 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 2.02 लाख प्रति वर्ष ।
2. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.96 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि(रु. में)
अधोसंरचना विकास के लिए शासकीय माध्यमिक शाला करकटी के पालक शिक्षक संघ में अग्रलिखित धन राशी जमा कराई जाएगी। भू प्रवेश के 3 माह के अंदर	96,000

3. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 3 वर्षों तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2428 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	पंक्ति 3-1- खस, नागरमोथा, लेमन ग्रास एवं स्थानीय घास प्रजातियाँ (दूरी फीट 2.5 से 2.0 प्रति पौधा)	करंज, अर्जुन, शहतूत, जामुन, कटंग बांस, खस घास आदि	400
2	ग्राम करकटी के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आंवला, मुनगा, अमरुद, सीताफल, पपीता, आम, नींबू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	2028
✓	वृक्षों का रोपण एवं वितरण प्रथम वर्ष में पौधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति /स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा खनन अवधि तक कराया जायेगा।		
✓	प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा।		

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

✓	एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पोधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे ।
टीप :	वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख - रखाव किया जावेगा। परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थनीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेंगे तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी।

अनुशंसा :- प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर अपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुसंशा की जाती है ।

5. Case No 10368/2023 Shri Gayaprsad Anjne, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Narwar Sand Mine in an area of 2.78 ha. (50040 cum per year) (Khasra No. 352), Village-Narwar, Tehsil-Chandla, District-Umariya (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 29/9/2023 को परियोजना प्रस्तावक Shri Gayaprsad Anjne, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP) एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री कृष्ण चंद्र पाण्डा, मे0. ओसियो इंवारी मैनेजमेंट सॉल्युशन (इ) प्रा. लि. गाजियाबाद (उ.प्र.), उपस्थित हुए एवं साथ में श्री दिवाकर चतुर्वेदी, खनिज निरीक्षक, उमरिया समिति के समक्ष भी उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / संस्थान का नाम व पता	Shri Gayaprsad Anjne, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, E-mail-umariyampsmcl@gmail.com, Mobile-9926850963, Prior Environment Clearance for Narwar Sand Mine in an area of 2.78 ha. (50,040 cum per year) (Khasra No. 352), Village-Narwar, Tehsil-Chandla, District-Umariya (MP) [435168]	
परियोजना का खसरा नं./ एरिया	खसरा न0.- 352, एरिया – 2.78 हे.	शासकीय
परियोजना स्थल	ग्राम- नरवर, तह.-चंदिया, जिला-उमरिया (म.प्र.).	
परियोजना श्रेणी	बी-2 श्रेणी,	
सैद्धान्तिक सहमति	पत्र क्र0. 756 दिनांक 26/05/2023.	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान <u>बरुहा नाला</u> में स्थित है ।	
डिया ई.सी. स्थिति	लागू नहीं।	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत -50,040 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-50,040 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।
परियोजना के 500 मीटर की परिधि में संचालित /स्वीकृत अन्य खदानों का विवरण	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला - उमरिया के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 988 दिनांक 21/07/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, जिनको मिलाकर कुल रकबा 2.78 हे0. होता है, अतः प्रकरण बी. - 2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।
परियोजना के संबंध में डीएफओ की एनओसी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उमरिया के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 988 दिनांक 21/07/2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
परियोजना के संबंध राजस्व जानकारी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उमरिया के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 988 दिनांक 21/07/2023 के अनुसार खनि निरीक्षक व सर्वेयर के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार आवेदित क्षेत्र से 500 की दूरी पर शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेलवे लाइन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है। खनि निरीक्षक व सर्वेयर के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार आवेदित क्षेत्र से मानव बसाहट- 220 मी. की दूरी पर है। कार्यपालिक, मजिस्ट्रेट तहसील-चंदिया जिला उमरिया (म.प्र.) के पत्र क्र0. /515/18/रीडर चंदिया दिनांक 03/10/2018 एवं खनिज निरीक्षक व सर्वेयर जिला उमरिया (म.प्र.) के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार आवेदित क्षेत्र से 500 मी. की दूरी पर कोई चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेलवे लाइन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा स्थित नहीं है। खनिज निरीक्षक व सर्वेयर जिला उमरिया (म.प्र.) के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार मानव बसाहट 100 मी. शैक्षणिक संस्थान 100 मी. व सार्वजनिक भवन मंदिर 100 मी.की दूरी पर स्थित है। ● तहसीलदार, तहसील-पाली जिला उमरिया (म.प्र.) के प्रतिवेदन दिनांक क्रमांक 0091/17-18 दिनांक 20/08/2018 एवं खनिज निरीक्षक व सर्वेयर जिला उमरिया (म.प्र.) के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार आवेदित क्षेत्र से 500 मी. की दूरी पर कोई जलीय निकाय/

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

	तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है। आवेदित क्षेत्र रेत खदान हेतु बरूहा नाला के रूप में स्थित है। खनिज निरीक्षक व सर्वेयर जिला उमरिया (म.प्र.)के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार आवेदित क्षेत्र के 500 मीटर की परिधि में खनिज रेत एवं अन्य खनिजों के कोई भी खदान/उत्खनिपट्टा/खनिपट्टा स्वीकृत नहीं है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनुमति	ग्राम पंचायत बरहाई जिला उमरिया के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक दिनांक 15/04/2018 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.- 13 के सरल क्रमांक - 24 पर दर्ज है।

प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि नदी के दक्षिण के तरफ मेजर ब्रिज परिलक्षित हो रहा है और उत्तर की दिशा में उपर की ओर मध्यम आकार का रोड ब्रिज के पाया जाता है इस प्रकार बड़े ब्रिज से 1 कि.मी. लेने पर तथा मध्यम आकार से ब्रिज से 500 मी. लेने पर पूरी नदी क्षेत्र प्रतिबंधित क्षेत्र में आती है। प्रस्तुतीकरण के दौरान माईनिंग आफिसर उपस्थित नहीं हुये थे, श्री दिवाकर चतुर्वेदी माईनिंग इंस्पेक्टर उपस्थित हुए जिनके द्वारा माईनिंग अफसर एवं ब्रिज कार्पोरेशन/सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से जारी पत्र प्राप्त कर समिति के समक्ष रखना चाहते परियोजना प्रस्तावक श्री अंजना जी ने भी समिति के समक्ष अनुरोध किया की उक्त खनन क्षेत्र से विगत 02 वर्ष में अधिकतम 16304 क्यू मी रेत प्राप्त किया जाना तथा रिप्लेनिशमेंट स्टडी के आधार पर 13900 डीएसआर में उपलब्ध होना पाया गया है। जोकि रिप्लेनिशमेंट स्टडी के अनुरूप नहीं है। समिति ने निर्णय लिया कि उपरोक्त संबंध में परियोजना प्रस्तावक सेंड गार्डिलाईन 2020 के पेज न. 24 पैरा "आर" अनुसार दिये गये रिफ्रेन्स के संबंध में संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुये ब्रिज कार्पोरेशन से अभिमत प्रस्तुत करने एवं अपना पक्ष रखने हेतु अवसर दिया जाये।

6. Case No 10335/2023 Shri Gayaprsad Anjne, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Kherwakhurd Sand Deposit in an area of 4.614 ha. (46140 cum per year) (Khasra No. 201/248), Village-Kherwakhurd, Tehsil-Bandhavgarh, District-Umariya (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 29/9/2023 को परियोजना प्रस्तावक Shri Gayaprsad Anjne, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP) एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री कृष्ण चंद्र पाण्डा, मे0. ओसियो इंवारेो मैनेजमेंट सॉल्युशन (इ) प्रा. लि. गाजियाबाद (उ.प्र.), उपस्थित हुए एवं साथ में श्री दिवाकर चतुर्वेदी, खनिज निरीक्षक, उमरिया समिति के समक्ष भी उपस्थित थे।

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / संस्थान का नाम व पता	Shri Gayaprasad Anjne, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Kherwakhurd Sand Deposit in an area of 4.614 ha. (46,140 cum per year) (Khasra No. 201/248), Village-Kherwakhurd, Tehsil-Bandhavgarh, District-Umariya (MP) [435190]	
परियोजना का खसरा नं./एरिया	खसरा नं.— 201/248, एरिया — 4.614 हे.	शासकीय
परियोजना स्थल	ग्राम— खैरवाखुर्द, तह.—बांधवगढ़, जिला—उमरिया (म.प्र.).	
परियोजना श्रेणी	बी-2 श्रेणी,	
सैद्धान्तिक सहमति	पत्र क्र०. 756 दिनांक 26/05/2023.	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान <u>डेगहरा नाला</u> में स्थित है।	
डिया ई.सी. स्थिति	लागू नहीं	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत — 46,140 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत — 46,140 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।	
परियोजना के 500 मीटर की परिधि में संचालित /स्वीकृत अन्य खदानों का विवरण	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला — उमरिया के एकल प्रमाण—पत्र क्रमांक 990 दिनांक 21/07/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, जिनको मिलाकर कुल रकबा 4.614 हे० होता है, अतः प्रकरण बी. — 2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।	
परियोजना के संबंध में डीएफओ की एनओसी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उमरिया के एकल प्रमाण—पत्र क्रमांक 990 दिनांक 21/07/2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।	
परियोजना के संबंध राजस्व जानकारी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उमरिया के एकल प्रमाण—पत्र क्रमांक 226/तह/2019 दिनांक 30/01/2019 खनि निरीक्षक व सर्वेयर के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार आवेदित क्षेत्र से 500 की दूरी पर मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है। ● खनिज निरीक्षक व सर्वेयर जिला उमरिया (म.प्र.) के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार मानव बसाहट 60 मी. एवं ग्राम खैरवाखुर्द की	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

	बसाहट – 80 मी. की दूरी, शैक्षणिक संस्थान ग्राम मझगंवा का विद्यालय-150 मी. की दूरी, शमशान घाट-100 मी., सार्वजनिक भवन, ग्राम मझगंवा का मंदिर 200 मी. की दूरी पर स्थित है। ● खनिज निरीक्षक व सर्वेयर जिला उमरिया (म.प्र.)के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार स्वीकृत रेत खदान के बीच में 03 नग रपटा कम स्टॉप डेम स्थित है। जिसमें 02 रपटा कम स्टॉप डेम के उपर से ग्रामीण पक्का मार्ग बना हुआ है। स्वीकृत रेत खदान क्षेत्र से लगा हुआ है जिसकी दूरी 10 मी. है। स्वीकृत रेत खदान क्षेत्र के बीच में स्थित 02 नग रपटा कम स्टॉप डेम के उपर ग्रामीण पक्का मार्ग गुजरता है। आवेदित क्षेत्र रेत खदान हेतु डेगहरा नाला के रूप में स्थित है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनुमति	ग्राम पंचायत खैरवाखुर्द जिला उमरिया के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक 18 दिनांक 26/01/2019 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.- 13 के सरल क्रमांक – 23 पर दर्ज है।

प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि नदी के दक्षिण के तरफ मेजर ब्रिज परिलक्षित हो रहा है और उत्तर की दिशा में उपर की ओर मध्यम आकार का रोड ब्रिज के पाया जाता है इस प्रकार बड़े ब्रिज से 1 कि.मी. लेने पर तथा मध्यम आकार से ब्रिज से 500 मी. लेने पर पूरी नदी क्षेत्र प्रतिबंधित क्षेत्र में आती है। प्रस्तुतीकरण के दौरान माईनिंग आफिसर उपस्थित नहीं हुये थे, श्री दिवाकर चतुर्वेदी माईनिंग इंस्पेक्टर उपस्थित हुए जिनके द्वारा माईनिंग अफसर एवं ब्रिज कार्पोरेशन/ सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से जारी पत्र प्राप्त कर समिति के समक्ष रखना चाहते परियोजना प्रस्तावक श्री अंजना जी ने भी समिति के समक्ष अनुरोध किया की उक्त खनन क्षेत्र से विगत 02 वर्ष में अधिकतम 16304 क्यू मी रेत प्राप्त किया जाना तथा रिप्लेनिशमेन्ट स्टडी के आधार पर 13900 डीएसआर में उपलब्ध होना पाया गया है। जोकि रिप्लेनिशमेन्ट स्टडी के अनुरूप नहीं है। समिति ने निर्णय लिया कि उपरोक्त संबंध में परियोजना प्रस्तावक सेंड गाईडलाईन 2020 के पेज न. 24 पैरा "आर" अनुसार दिये गये रिफ्रेन्स के संबंध में संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुये ब्रिज कार्पोरेशन से अभिमत प्रस्तुत करने एवं अपना पक्ष रखने हेतु अवसर दिया जाये।

- Case No 10334/2023 Shri Gayaprasad Anjne, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Jhilmili Sand Deposit in an area of 4.178 ha. (49170 cum per year) (Khasra No. 02, 08, 32), Village-Jhilmili, Tehsil-Bandhavgarh, District-Umariya (MP)**

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 29/9/2023 को परियोजना प्रस्तावक Shri Gayaprasad Anjne, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP) एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री कृष्ण चंद्र पाण्डा, मे0. ओसियो इंवारेो मैनेजमेंट सॉल्युशन (इ) प्रा. लि. गाजियाबाद (उ.प्र.), उपस्थित हुए एवं साथ में श्री दिवाकर चतुर्वेदी, खनिज निरीक्षक, उमरिया समिति के समक्ष भी उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / संस्थान का नाम व पता	Shri Gayaprasad Anjne, Junior Manager, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Jhilmili Sand Deposit in an area of 4.178 ha. (49,170 cum per year) (Khasra No. 02, 08, 32), Village-Jhilmili, Tehsil-Bandhavgarh, District-Umariya (M.P.) [435201].	
परियोजना का खसरा नं. / एरिया	खसरा नं.— 02, 08, 32, एरिया — 4.178 हे.	शासकीय
परियोजना स्थल	ग्राम— झिलमीली, तह.—बांधवगढ़, जिला—उमरिया (म.प्र.).	
परियोजना श्रेणी	बी-2 श्रेणी,	
सैद्धान्तिक सहमति	पत्र क्र0. 756 दिनांक 26/05/2023.	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान <u>बरुहा नाला</u> में स्थित है,	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत — 49,170 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत — 49,170 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।	
परियोजना के 500 मीटर की परिधि में संचालित / स्वीकृत अन्य खदानों का विवरण	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला — उमरिया के एकल प्रमाण—पत्र क्रमांक 986 दिनांक 21/07/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, जिनको मिलाकर कुल रकबा 4.178 हे0. होता है, अतः प्रकरण बी. — 2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।	
परियोजना के संबंध में डीएफओ की एनओसी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उमरिया के एकल प्रमाण—पत्र क्रमांक 986 दिनांक 21/07/2023 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।	
परियोजना के संबंध राजस्व जानकारी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला उमरिया के एकल प्रमाण—पत्र क्रमांक 986 दिनांक 21/07/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में तहसीलदार तह. चंदिया जिला उमरिया के पत्र क्र0. 13/प्रवा. /बिलासपुर चंदिया दिनांक 22/01/2019 एवं खनि निरीक्षक व सर्वेयर के प्रतिवेदन दिनपंक 27/07/2023 अनुसार आवेदित क्षेत्र से	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

	10 कि.मी. की परिधि में कोई अंतराज्यीय सीमा / नाला इत्यादि स्थित नहीं है। ● खनिज निरीक्षक व सर्वेयर के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार मानव बसाहट 160 मी., शैक्षणिक संस्थान 70 मी. की दूरी पर स्थित है। ● खनिज निरीक्षक व सर्वेयर के प्रतिवेदन दिनांक 17/07/2023 अनुसार ग्रामहण कच्चा रास्ता 25 मी. की दूरी पर स्थित है। स्वीकृत रेत खदान के बीच में स्टॉप डेम स्थित है। स्वीकृत रेत खदान के बीच में रपटा कम स्थित स्टॉप डेम स्थित है जिसके उपर से पक्का रास्ता गुजरता है। स्वीकृत रेत खदान को छोड़कर अन्य नाला 500 मी. की परिधि में नहीं है। आवेदित क्षेत्र रेत खदान हेतु बरूआ नाला के रूप में स्थित है।
ग्राम सभा / ग्राम पंचायत की अनुमति	ग्राम पंचायत झांपी जिला उमरिया के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक – दिनांक 24/08/2018 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपित्त नहीं है।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.- 12 के सरल क्रमांक – 19 पर दर्ज है।

प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि नदी के बीच में लघु संरचना स्थित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुतीकरण में अप स्टीम व डाउन स्टीम में 500 मी. छोड़ते हुये प्रतिबंधित क्षेत्र को दर्शाया गया है। प्रतिबंधित क्षेत्र को छोड़ते हुये जो मात्रा उपलब्ध होती है वह डीएसआर में दर्शायी मात्रा से कम पाई गई अतः समिति ने निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा चाही गई मात्रा की अनुशंसा की जा सकती है, तथा परियोजना प्रस्तावक को निर्देश दिये कि नदी के दोनो तरफ वृक्ष स्थित है इन्हे कोई क्षति न पहुँचाई जाये।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत जानकारी एवं दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति निम्नानुसार विशिष्ट शर्तों एवं संलग्नक-ए अनुसार स्टेण्डर्ड शर्तों के साथ अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत 49,170 घनमीटर/वर्ष हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 03.22 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 1.74 लाख प्रति वर्ष।
2. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.30 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

सी.इ.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि(रु. में)
अधोसंरचना विकास के लिए प्राथमिक शाला झिलमिली के पालक शिक्षक संघ में अग्रलिखित धन राशी जमा कराई जाएगी। भू प्रवेश के 3 माह के अंदर	1,30,000

3. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 3 वर्षों तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 5014 वृक्षों का वृक्षारोपण :—

कं.	वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	ग्राम झिलमिली के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आंवला, मुनगा, अमरुद, सीताफल, पपीता, आम, नींबू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	5014
✓ वृक्षों का रोपण एवं वितरण प्रथम वर्ष में पौधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति /स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा खनन अवधि तक कराया जायेगा। ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा। ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे। टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधारोपण एवं रख-रखाव किया जावेगा। परिवहन मार्ग या अन्य स्थलों पर स्थानीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेंगे तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी।			

अनुशंसा :— प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर अपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुसंशा की जाती है ।

8. **Case No 10345/2023 Shri RAJENDRA BAJPAI, OIC-MPSMCL (प्रबंधक संभागीय/कार्यालय विदिशा, 172 gh, Opp-Govt. Middle School, Village- Bawadia Kalan, VIDISHA (M.P.) Prior Environment Clearance for Letani Sand Quarry in an area of 1.20 ha. (2400 cum per year) (Khasra No. 563), Village-Letani, Tehsil-Kurwai, District-Vidisha (MP)**

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 29/9/23 को परियोजना प्रस्तावक **Shri RAJENDRA BAJPAI** एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री कृष्ण चंद्र पाण्डा, मेसर्स ओशियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन्स (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. उपस्थित हुए एवं साथ में श्री पंकज वानखेडे, खनिज निरीक्षक, विदिशा समिति के समक्ष भी उपस्थित थे।

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri RAJENDRA BAJPAI, OIC-MPSMCL (प्रबंधक)संभागीय कार्यालय विदिशा 172 gh, Opp-Govt. Middle School, Village- Bawadia Kalan, VIDISHA (M.P.)	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	563 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	1.20 ha.
स्थल	Village Letani, Tehsil Kurwai, District Vidisha (MP)	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज अनुसार स्थिति	प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि यह खदान बेतवा नदी में स्थित है। जो कि जलमग्न है, खनिज निरीक्षक, विदिशा द्वारा बताया गया कि ग्रीष्मकाल में मांग के अनुरूप रेत की मात्रा उपलब्ध हो जाती है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-2400 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-2400 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला विदिशा के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1309 दिनांक 05/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला विदिशा के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1309 दिनांक 05/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला विदिशा के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1309 दिनांक 05/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।	
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत लेटनी जिला विदिशा के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-2 दिनांक 01/07/23 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर रेत खनन का प्रस्ताव पारित ।	
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-37 के सरल क्रमांक-6 पर	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

	दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेन्शियल-2400 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 2400 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।
--	---

प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि यह खदान बेतवा नदी में स्थित है। जो कि जलमग्न है, खनिज निरीक्षक, विदिशा द्वारा बताया गया कि ग्रीष्मकाल में मांग के अनुरूप रेत की मात्रा उपलब्ध हो जाती है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत जानकारी एवं दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति निम्नानुसार विशिष्ट शर्तों एवं संलग्नक-ए अनुसार स्टेण्डर्ड शर्तों के साथ अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत 2400 घनमीटर/वर्ष हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 03.23 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 2.20 लाख प्रति वर्ष ।
2. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.18 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि(रु. में)
अधोसंरचना विकास के लिए शासकीय विद्यालय, लेटनी के पालक शिक्षक संघ में अग्रलिखित धन राशि जमा कराई जाएगी भू प्रवेश के 3 माह के अंदर	18,000

3. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 3 वर्षों तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1440 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्रं.	वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	ग्राम लेटनी के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आंवला, मुनगा, अमरुद, सीताफल, पपीता, आम, नींबू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1440
✓ वृक्षों का रोपण एवं वितरण प्रथम वर्ष में पौधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति /स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा खनन अवधि तक कराया जायेगा। ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा। ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे। टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधारोपण एवं रख-रखाव किया जावेगा। परिवहन मार्ग या अन्य स्थलों पर स्थानीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेंगे तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ति की जा सकेगी।			

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

अनुशंसा :- प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर अपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुसंशा की जाती है ।

9. **Case No 10366/2023 Shri RAJENDRA BAJPAI, OIC-MPSMCL** (प्रबंधक संभागीय(कार्यालय विदिशा, **172 gh, Opp-Govt. Middle School, Village- Bawadia Kalan, VIDISHA (M.P.)** **Prior Environment Clearance for Devli Sand Quarry in an area of 1.881 ha. (2400 cum per year) (Khasra No. 159), Village-Dewli, Tehsil-Kurwai, District-Vidisha (MP)**)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 29/9/23 को परियोजना प्रस्तावक **Shri RAJENDRA BAJPAI** एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री कृष्ण चंद्र पाण्डा, मेसर्स ओशियो इंडिया रो मैनेजमेंट सॉल्यूशन्स (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. उपस्थित हुए एवं साथ में श्री पंकज वानखेडे, खनिज निरीक्षक, विदिशा समिति के समक्ष भी उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri RAJENDRA BAJPAI, OIC-MPSMCL (प्रबंधक) संभागीय कार्यालय भोपाल 172 gh, Opp-Govt. Middle School, Village- Bawadia Kalan, VIDISHA (M.P.)	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	159 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	1.881 ha.
स्थल	Village- Devli, Tehsil- Kurwai, District- Vidisha (M.P.)	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज अनुसार स्थिति	यह खदान बेतवा नदी में स्थित है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-2400 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-2400 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला विदिशा के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1307 दिनांक 05/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला विदिशा के एकल प्रमाण-पत्र	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

की अनापत्ति	क्रमांक 1307 दिनांक 05/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला विदिशा के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1307 दिनांक 05/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेलवे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत देवली जिला विदिशा के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-1 दिनांक 13/07/23 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर रेत खनन का प्रस्ताव पारित ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-37 के सरल क्रमांक-5 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेन्शियल-2400 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-2400 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत जानकारी एवं दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति निम्नानुसार विशिष्ट शर्तों एवं संलग्नक-ए अनुसार स्टेण्डर्ड शर्तों के साथ अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत 2400 घनमीटर/वर्ष हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 03.39 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 2.77 लाख प्रति वर्ष ।
2. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.10 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि(रु. में)
अधोसंरचना विकास के लिए शासकीय प्राथमिक विद्यालय गम्भू खेड़ी के पालक शिक्षक संघ में अग्रलिखित धन राशि जमा कराई जाएगी भू प्रवेश के 3 माह के अंदर	10,000

3. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 3 वर्षों तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1500 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
-----	------------------------------	---------------------	---------------------

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

1	ग्राम देवली के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आंवला, मुनगा, अमरुद, सीताफल, पपीता, आम, नींबू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1500
2	ग्राम गोहची के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आंवला, मुनगा, अमरुद, सीताफल, पपीता, आम, नींबू, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	900
✓ वृक्षों का रोपण एवं वितरण प्रथम वर्ष में पोधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति /स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा खनन अवधि तक कराया जायेगा। ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा। ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पोधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे। टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख-रखाव किया जावेगा। परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थानीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेंगे तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी।			

अनुशंसा :- प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर अपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुसंशा की जाती है ।

10. Case No 9480/2022 M/s Maa Narmada Aggregates Pvt.Ltd., Partner Shri Ajay Modi R/o U.g. 47, 18 South Tukoganj, Trade Center, District Indore (MP)-451010, Prior Environment Clearance for Stone & M-Sand Quarry in an area of 4.00 ha. (Stone 15000 Cum per annum and M-sand 60000 Cum per annum) (Khasra No. 2/2), Village - Rawad, Tehsil - Depalpur, Dist. Indore (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 29/9/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री अजय मोदी एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमित सक्सेना, (ऑनलाईन) मेसर्स एपेक्स मिनटेक कांसल्टेंट, उदयपुर उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी का नाम व पता	Shri Ajay Modi, Partner, M/s MAA NARMADA AGGREGATES PRIVATE LIMITED, situated near village Rawad Tehsil Depalpur District Indore (M.P.)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	2/2 (निजी –नॉन फॉरेस्ट लैंड परियोजना प्रस्तावक स्वयं की)	4.00 hectare
स्थल	Village Rawad, Tehsil depalpur, Distt. Indore (M.P.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के पत्र क्रमांक 1511 दिनांक	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

	16/08/22 के द्वारा स्वीकृत ।
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-1
टॉर	समिति की पूर्व की 614वीं बैठक दिनांक 23/12/2022 को उत्पादन क्षमता Stone 15000 Cum per annum and M-sand 60000 Cum per annum के लिए टॉर की अनुशंसा की गई थी ।
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।
नया/क्षमता विस्तार	नया प्रोजेक्ट ।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर-15,000 घनमीटर/वर्ष एवं एम-सैंड-60,000 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार पत्थर-15,000 घनमीटर/वर्ष एवं एम-सैंड- 60,000 घनमीटर/वर्ष है ।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2474 दिनांक 22/11/21 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 08 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, इस प्रकार कुल रकबा 15.832 हे. होता है, अतः प्रकरण बी-1 श्रेणी का है ।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2474 दिनांक 22/11/21 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2474 दिनांक 22/11/21 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत रावद देपालपुर जिला इंदौर के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-5 दिनांक 16/04/21 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	खदान क्षेत्र क अंदर 01 पेड लगा है जो नहीं काटा जावेगा
गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	उत्तर दिशा- पक्का रोड - 210 मी.
जन सुनवाई	प्रस्तावित खदान की जन सुनवाई के दौरान वृक्षारोपण एवं जल छिड़काव के सुझाव प्राप्त हुए, जिसे पर्यावरणीय प्रबंधन योजना / सी.एस.आर में बजट के साथ शामिल किया गया है ।

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-55 के सरल क्रमांक-22 पर दर्ज है ।
----------------------------------	---

प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र से लगे हुये माइनिंग क्षेत्र में पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। अतः पर्यावरण स्वीकृति में शर्तों के पालन के विषय पर जिला खनन कार्यालय के माध्यम से इनकी शर्तों के सत्यापन की आवश्यकता प्रतीत होती है ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता पत्थर-15,000 घनमीटर/वर्ष एवं एम-सेंड- 60,000 घनमीटर/वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 3.48 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 0.70 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 3.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
निकट ग्राम रावड मे स्वास्थ्य परीक्षण केम्प का आयोजन किया जायेगा	80,000
ग्राम रावड के शासकीय विद्यालय मे अधो संरचना विकास हेतु पालक शिक्षक संग समिति मे राशि जमा कराई जायेगी ।	2,20,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	हरित पट्टी (0.6038 (Ha-) पर तीन लाइनो में वृक्षारोपण किया जायेगा) के गड्ढे खोदकर काली मिट्टी भरी जाएगी 2* 2* 2 और उसमे पौधरोपण किया जायेगा	आम, जामुन, अमरुद, आंवला, अनार, निम्बू, इमली, कटहल, सीताफल आदि	750
2	पट्टा क्षेत्र के बाहर अप्रोच रोड (650 मीटर) के ,के तरफ दो लाईना में 4 फीट की उचाई वाले पौधे	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम,	650

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

	लगाए जायेंगे ट्री गार्ड के साथ में	चिरोल, अशोक आदि	
	खदान के उत्तर दि 11 में 200 मीटर दूरी पर स्थित सड़क के दानो तरफ दो लाईनों में 4 फीट की उँचाई वाले पौधे लगाए जायेंगे ट्री गार्ड के साथ में	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, अशोक आदि	500
	आस पास के ग्रामीण किसानों को पौधे वितरित किये जायेंगे रावड एवं रंगवासा	आम, जामुन, अमरुद, आंवला, अनार, निम्बू, इमली, कटहल, सीताफल आदि	2900
उपरोक्तानुसार वृक्षारोपण प्रथम वर्ष में किया जायें एवं 03 वर्ष तक उन पौधों का रख-रखाव / मृत पौधों का बदलाव खनन अवधि तक किया जाये । गरलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड पर स्थानीय बीज बोबाई कर उनका संरक्षण किया जाना । परियोजना प्रस्तावक ग्रामीणों में पौधों का वितरण के समय गाँव का नाम, लाभान्वित व्यक्ति का नाम एवं प्रजाति का विवरण देते हुए पर्यावरणीय स्वीकृति के पालन प्रतिवेदन में शामिल करेंगे ।			
		कुल	4800

11. Case No 8731/2021 Shri Rajkumar Jaiswal, Liza Talkies Chouraha, Tehsil & Dist. Sehore, MP - 466001 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 2.90 ha. (20001 cum per annum) (Khasra No. 401/1), Village - Rafiqueganj, Tehsil - Sehore, Dist. Sehore (MP).

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 29/9/23 को परियोजना प्रस्तावक राजकुमार जायसवाल एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री अमर सिंह यादव, मेसर्स एसीरीज इंनवायरोटेक इंडिया प्रा. लि. लखनऊ उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी का नाम व पता	Shri Rajkumar Jaiswal, lessee, Liza Talkies Chouraha Tehsil Sehore District Sehore (M.P.)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	104/1(सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	2.90 hectare.
स्थल	Village- Rafiqueganj, Tehsil-Sehore & District- Sehore (M.P.)	
लीज स्वीकृति	संचालक, भौमिकी एवं खनिकर्म, म.प्र. के पत्र क्रमांक 854 दिनांक 15/01/21 के द्वारा स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-1	
टॉर	समिति की पूर्व की 538वीं बैठक दिनांक 06/01/2022 को उत्पादन क्षमता पत्थर 20001 cum per annum के लिए टॉर की	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

	अनुशंसा की गई थी ।
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।
नया/क्षमता विस्तार	नया प्रोजेक्ट ।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर-20,001 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार पत्थर-पत्थर-20,001 घनमीटर/वर्ष है ।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सिहोर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2343 दिनांक 08/09/21 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 17 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत हैं, इस प्रकार कुल रकबा 45.821 हे. होता है, अतः प्रकरण बी-1 श्रेणी का है ।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सिहोर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2343 दिनांक 08/09/21 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सिहोर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2343 दिनांक 08/09/21 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत रफीकगंज जिला सिहोर के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-21 दिनांक 15/08/14 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	Tree Existed- N/A
गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	खदान का कुछ भाग खुदा हुआ है जिसके संदर्भ में परियोजना प्रस्तावक ने बताया यह खदान इसी स्थिति में प्राप्त हुई है। तत्संबंध में विवरण अनुमोदित खनन योजना में दर्शाया है ।
जन सुनवाई	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि प्रस्तावित खदान की जन सुनवाई के दौरान रोड निर्माण, विद्यालय के निर्माण में सहयोग, वृक्षारोपण एवं जल छिडकाव के सुझाव प्राप्त हुए, जिसे पर्यावरणीय प्रबंधन योजना / सी.एस.आर में बजट के साथ शामिल किया गया है ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-44 के सरल क्रमांक-60 पर दर्ज है ।

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र से लगे हुये माइनिंग क्षेत्र में पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। अतः पर्यावरण स्वीकृति में शर्तों के पालन के विषय पर जिला खनन कार्यालय के माध्यम से इनकी शर्तों के सत्यापन की आवश्यकता प्रतीत होती है ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:—

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता पत्थर—20,001 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 19.46 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 05.25 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.85 लाख (भू प्रवेश के 03 माह के अंदर ग्राम पंचायत में राशि जमा की जावेगी) तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
परियोजना प्रस्तावक द्वारा भूप्रवेश के तीन महीने के अंदर ग्राम पंचायत रफीकगंज के खाते में रोड निर्माण के लिए राशि जमा करेगा।	45,000/-
परियोजना प्रस्तावक द्वारा ग्राम रफीकगंज के गवर्नमेंट विद्यालय की बॉउंड्री करने के लिए सहायता किया जायेगा।	25,000/-
वैलनेस सेंटर में परियोजना प्रस्तावक द्वारा भूप्रवेश के तीन महीने के अंदर रफीकगंज ग्राम पंचायत के खाते में ग्रामवासियों के लिए साल में दो बार रक्तचाप, मधुमेह, और मौखिक स्वच्छता के लिए स्वास्थ्य जागरूकता शिविर के लिए राशि जमा करेगा।	15,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3500 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन	शीशम , नीम, पीपल, बरगद, खमेर, चिरोल, सीताफल, करंज एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	700
2	परिवहन मार्ग (352 मीटर) पेड़ों की न्यूनतम दूरी	शीशम, नीम, अमलतास, करंज, बरगद, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	400
	गुड़भेला, हसनाबाद, रफीकगंज, के	नीम, आम, अमरुद, इमली, आमला, बेल,	2180

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

	ग्रामवासियों में वितरण हेतु	मुनगा, कटहल, पीपल, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	
	गवर्नमेंट स्कूल ग्राम गुड़भेला में वृक्षारोपण हेतु।	कदम्ब, अमलतास, पुत्रंजीवा, अशोक, नीम, मोलश्री, गुलमोहर, एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां।	20
	उत्तर- पश्चिम दिशा में वृक्षारोपण के लिए जहाँ रुट स्टॉक उपलब्ध है।	शीशम, नीम, पीपल, बरगद, खमेर, चिरौल, सीताफल, नीम, के बीज और उपलब्ध देशी प्रजातियाँ।	200
उपरोक्तानुसार वृक्षारोपण प्रथम वर्ष में किया जाये एवं 03 वर्ष तक उन पौधों का रख-रखाव / मृत पौधों का बदलाव खनन अवधि तक किया जाये। गरलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड पर स्थानीय बीज बोवाई कर उनका संरक्षण किया जाना। परियोजना प्रस्तावक ग्रामीणों में पौधों का वितरण के समय गाँव का नाम, लाभांवित व्यक्ति का नाम एवं प्रजाति का विवरण देते हुए पर्यावरणीय स्वीकृति के पालन प्रतिवेदन में शामिल करेंगे।			
		कुल	3500

12. Case No 7255/2020 Shri Narayan Yadav S/o Shri Punam Chand Yadav R/o 108, Abdalpura, District Ujjain (MP) Prior Amendment in Environment Clearance for approval of Kesuni Stone (Gitty) Quarry in an area of 2.50 ha. (Stone (Gitty) 4500 cum per annum and M-Sand- 10,500 Cum/Year) (Khasra No. 80/2, 89) at Village- Kesuni, Tehsil- Ujjain, District- Ujjain (MP).

प्रकरण में समिति की पूर्व की 444वीं बैठक दिनांक 03/07/20 को पत्थर-1,50,000 घनमीटर/वर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की गई थी। सिया के पत्र क्रमांक 2047 दिनांक 07/08/20 के द्वारा पत्थर-1,50,000 घनमीटर/वर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जारी की गई थी।

परियोजना प्रस्तावक ने परिवेश पोर्टल पर फार्म-4 के साथ लीज आर्डर, ईएमपी, पीएफआर एवं संशोधित माइन प्लान प्रस्तुत कर पत्थर-4500 घनमीटर/वर्ष एवं एम-सैंड-10,500 घनमीटर/वर्ष हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति में संशोधन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

प्रकरण समिति की पूर्व 668वीं बैठक दिनांक 09/08/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे।

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

प्रकरण को पुनः आज दिनांक 29/09/23 को रखा गया, जिसमें परियोजना प्रस्तावक श्री **Shri Narayan Yadav (Online)** एवं उनके पर्यावरण सलाहकार मेसर्स अपेक्स मिनटेक कंसलटेंट, उदयपुर, राजस्थान उपस्थित हुए ।

- PP submitted that the purpose of report is to **obtain Amendment in Environment Clearance for Kesuni Stone (Gitti) & M-Sand Quarry** in survey no. 82/2, 89 (Pvt. Land), having an area of 2.50 Ha., situated near village Kesuni, Tehsil & District Ujjain (M.P.) for Proposed production ROM 15,000 cum. per annum (Stone Gitti 4500 & M-Sand 10,500 cum per annum).
- Initially the Letter of Intent has been issued for extraction of mineral stone (Gitti) suitable for crushing purpose, over an area of 2.50 Ha., situated near village Kesuni, Tehsil Ujjain, District Ujjain, Madhya Pradesh, Under Rule of Madhya Pradesh Minor mineral rules, 1996 by Directorate Geology & Mining Department, Bhopal (M.P.) vide letter no. 2942/Khanij/U.P./Na.Kra.01/2020, Bhopal, Dated 03.03.2020 for a period of 10 years in favour of Shri Narayan Yadav S/o Poonam Chand Yadav, R/o 180, Abdalpura, Ujjain, District Ujjain (M.P.).
- The Environment Clearance obtained by State Environment Impact Assessment Authority (SEIAA), Bhopal (M.P.) for **production of Stone (Gitti) 15000 Cum/Year vide letter no. 2047/SEIAA/20, Bhopal, Dated 07.08.2020.**
- The Modified Mining Plan & Progressive Mine Closure Plan has been prepared for mineral stone (Gitti) & M-Sand prepared and submitted to competent authority Under Rule 42(c) of Madhya Pradesh Minor Mineral Rules 1996 at Regional Head Geology & Mining Department, Indore (M.P.). The same was approved vide letter no. P685/Ma.Plan/Na.Kra/2022, Indore, Dated 23.09.2022.
- The mining lease does not fall under forest land, Similarly, there are no National parks Sanctuaries, Biosphere reserves, etc within a distance of 10km around the lease area. A letter to this effect has been issued by the Mining officer Ujjain District Ujjain (M.P.) (Letter no. 400/Khanij/2019-20 Ujjain dated 20.2.2020) .
- About 10,500 cum per annum of crushed Stone Gitti will be send to crusher of manufacturing sand. Extracted rock will be send for secondary crushing units after screening to Vertical Shaft Impactor (VSI) unit for making M. sand. Proper cleaning from water will be carried out before finalizing the final product.

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

Water recycling unit also installed within lease area for recycling water, which will be used for water sprinkling.

The committee after presentation observed that the PP has obtained EC vide SEIAA letter 2047 dated 07.08.2020 for stone (Gitty) quarry in are of 2.50 hac. of 15,000 Cum/y , now they are adding **M-Sand plant with production of 10,500 cum per annum for which** Modified Mining Plan & Progressive Mine Closure Plan has been prepared for mineral stone (Gitti) & M-Sand prepared and submitted to competent authority Under Rule 42(c) of Madhya Pradesh Minor Mineral Rules 1996 at Regional Head Geology & Mining Department, Indore (M.P.). The EIA/EMP and other submissions made by the PP were found to be satisfactory and acceptable, hence committee decided to recommend the case for **grant of EC Amendment f Proposed production ROM 15,000 cum. per annum (Stone Gitti 4500 & M-Sand 10,500 cum per annum) Khasra No. 80/2, 89) at Village- Kesuni, Tehsil- Ujjain, District- Ujjain (MP).** subject to the following special conditions:

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:—

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता पत्थर—4500 मी³ प्रति वर्ष एवं एम—सेंड—10,500 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 19.20 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 02.98 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 01.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :—

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम केसुनी के सरकारी प्राथमिक विद्यालय में बाउंड्री वाल बनाएंगे	75,000/-
ग्राम केसुनी के आंगनवाड़ी केन्द्र में वाटर फिल्टर की स्थापना	25000/-

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3000 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	हरित पट्टी (7.50 मीटर बेरियर ज़ोन में तीन लाइनों में किया जायेगा)	नीम, सीताफल, आम , जामुन, अमरूद, आंवला, अनार, निम्बू, इमली, कटहल, आदि आदि।	550
2	पट्टा क्षेत्र के बाहर अप्रोच रोड)10 (मी 00 फीट की उचाई वाले पौधे 4 के दोनों ओर लगाए जायेंगे ट्री गार्ड के साथ में	नीम, पीपल, कचनार, करंज, कदम, चिरोल, अशोक आदि	1000
3	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	आम, जामुन, अमरूद, आंवला, अनार, निम्बू, इमली, कटहल, आदि	1500
गरलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बंड पर स्थानीय बीज बोवाई कर उनका संरक्षण किया जाना ।			
कुल			3000

13. Case No 10390/2023 Shri Puran Lakshkar, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-1A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal. Prior Environment Clearance for Thakurtola Sand Quarry in an area of 1.00 ha. (7200 cum per year) (Khasra No. 125), Village-Thakurtola, Tehsil-Balaghat, District-Balaghat (MP)

प्रस्तावित खदान का समिति की पूर्व 676वीं बैठक दिनांक 11/09/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरण सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए । आज दिनांक 29/09/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री पूरन लक्ष्यकार एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री संचित कुमार, ऑन लाईन मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. उपस्थित हुए और बैठक के दौरान प्रभारी खनिज निरीक्षक श्री सुरेश कुलस्तें उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष उपस्थित हुये ।

प्रस्तुतीकरण के पूर्व में ही पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा अपने पत्र दिनांक 29/09/23 बताया गया कि प्रश्नाधीन खदान जिनके प्रकरण क्रमांक 10390/2023 एवं 10350/2023, 10358/2023, 10357/2023 तथा 10351/2023 है, SEAC प्रस्तुतीकरण से पूर्व सभी 05 खदानों की KML एक साथ ओपन करने पर 500 मीटर की परिधी में अन्य रेत खदान स्वीकृत होने के कारण B-1 श्रेणी में पाई गई है, जबकि नवीन एकल प्रमाण – पत्र में क्लस्टर की

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

जानकारी भिन्न है। अतः राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 683 वी बैठक दिनांक 29.09.2023 में मेरे द्वारा जिला बालाघाट की 05 रेत खदानों का प्रस्तुतीकरण B-2 श्रेणी में देना उचित नहीं होगा

उपरोक्त संबंध में समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि प्रथम दृष्टया त्रुटी पाई जाये तो उसका निराकरण तत्समय किया जा सके, अतः इन सभी प्रकरणों को बी.1 श्रेणी कर माना जाये। चूँकी दोनों प्रकरणों एक ही जिले से संबंधित है। अतः इस विषय में संबंधित जिले के माईनिंग के अधिकारी से स्पष्टिकरण लिया जावे, एवं अतः समिति का यह भी निर्णय संबंधित जिला के जिलाध्यक्ष के संज्ञान में सिया स्तर से लाया जावे।

14. Case No 10350/2023 Shri Puran Lakshkar, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-1A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal. Prior Environment Clearance for Roshna Sand Quarry in an area of 4.50 ha. (29700 cum per year) (Khasra No. 01), Village-Roshna, Tehsil-Balaghat, District-Balaghat (MP)

प्रस्तावित खदान का समिति की पूर्व 676वीं बैठक दिनांक 11/09/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरण सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए।

आज दिनांक 29/09/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री पूरन लक्ष्यकार एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. उपस्थित हुए और बैठक के दौरान प्रभारी खनिज निरीक्षक श्री सुरेश कुलस्तेन उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष उपस्थित हुये।

प्रस्तुतीकरण के पूर्व में ही पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा अपने पत्र दिनांक 29/09/23 बताया गया कि प्रश्नाधीन खदान जिनके प्रकरण क्रमांक 10390/2023 एवं 10350/2023, 10358/2023, 10357/2023 तथा 10351/2023 है, SEAC प्रस्तुतीकरण से पूर्व सभी 05 खदानों की KML एक साथ ओपन करने पर 500 मीटर की परिधी में अन्य रेत खदान स्वीकृत होने के कारण B-1 श्रेणी में पाई गई है, जबकि नवीन एकल प्रमाण – पत्र में क्लस्टर की जानकारी भिन्न है। अतः राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 683 वी बैठक दिनांक 29.09.2023 में मेरे द्वारा जिला बालाघाट की 05 रेत खदानों का प्रस्तुतीकरण B-2 श्रेणी में देना उचित नहीं होगा

उपरोक्त संबंध में समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि प्रथम दृष्टया त्रुटी पाई जाये तो उसका निराकरण तत्समय किया जा सके, अतः इन सभी प्रकरणों को बी.1 श्रेणी कर माना जाये। चूँकी दोनों प्रकरणों एक ही जिले से संबंधित है। अतः इस विषय में संबंधित जिले के माईनिंग के अधिकारी से स्पष्टिकरण लिया जावे, एवं अतः समिति का यह भी निर्णय संबंधित जिला के जिलाध्यक्ष के संज्ञान में सिया स्तर से लाया जावे।

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

15. **Case No 10358/2023 Shri Puran Lakshkar, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-1A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal. Prior Environment Clearance for Barkheda Sand Quarry in an area of 3.22 ha. (28980 cum per year) (Khasra No. 45), Village-Barkhera, Tehsil-Balaghat, District-Balaghat (MP)**

प्रस्तावित खदान का समिति की पूर्व 676वीं बैठक दिनांक 11/09/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरण सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए।

आज दिनांक 29/09/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री पूरन लक्ष्यकार एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. उपस्थित हुए और बैठक के दौरान प्रभारी खनिज निरीक्षक श्री सुरेश कुलस्तें उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष उपस्थित हुये।

प्रस्तुतीकरण के पूर्व में ही पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा अपने पत्र दिनांक 29/09/23 बताया गया कि प्रश्नाधीन खदान जिनके प्रकरण क्रमांक 10390/2023 एवं 10350/2023, 10358/2023, 10357/2023 तथा 10351/2023 है, SEAC प्रस्तुतीकरण से पूर्व सभी 05 खदानों की KML एक साथ ओपन करने पर 500 मीटर की परिधी में अन्य रेत खदान स्वीकृत होने के कारण B-1 श्रेणी में पाई गई है, जबकि नवीन एकल प्रमाण – पत्र में क्लस्टर की जानकारी भिन्न है। अतः राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 683 वी बैठक दिनांक 29.09.2023 में मेरे द्वारा जिला बालाघाट की 05 रेत खदानों का प्रस्तुतीकरण B-2 श्रेणी में देना उचित नहीं होगा

उपरोक्त संबंध में समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि प्रथम दृष्टया त्रुटी पाई जाये तो उसका निराकरण तत्समय किया जा सके, अतः इन सभी प्रकरणों को बी.1 श्रेणी कर माना जाये। चूँकी दोनों प्रकरणों एक ही जिले से संबंधित है। अतः इस विषय में संबंधित जिले के माईनिंग के अधिकारी से स्पष्टिकरण लिया जावे, एवं अतः समिति का यह भी निर्णय संबंधित जिला के जिलाध्यक्ष के संज्ञान में सिया स्तर से लाया जावे।

16. **Case No 10280/2023 Shri Puran Lakshkar, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-1A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal. Prior Environment Clearance for Parsodi Sand Quarry in an area of 4.90 ha. (44100 cum per year) (Khasra No. 220/1), Village- Parsori, Tehsil-Lanji, District-Balaghat (MP)**

प्रस्तावित खदान का समिति की पूर्व 676वीं बैठक दिनांक 11/09/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरण सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए।

आज दिनांक 29/09/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री पूरन लक्ष्यकार एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. उपस्थित हुए और

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

बैठक के दौरान प्रभारी खनिज निरीक्षक श्री सुरेश कुलस्ते उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष उपस्थित हुये ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri PURAN LAKSHKAR, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, District Bhopal (M.P.) 462011.	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	220/1 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	4.900 ha.
स्थल	Village Parsodi, Tehsil Lanji, District Balaghat Madhya Pradesh.	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज अनुसार स्थिति	यह खदान बाघ नदी में स्थित है, जो कि पूर्णतः जलमग्न है ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-44,100 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-44,100 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 656 दिनांक 03/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 656 दिनांक 03/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 656 दिनांक 03/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।	
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 20/07/23 अनुसार ग्राम पंचायत ठहराव प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रस्तुत करेंगे ।	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-93 के सरल क्रमांक-68 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेन्शियल-1,23,480 मै.टन उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 44,100 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।
----------------------------------	---

प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि यह खदान बाघ नदी में स्थित है, जो कि पूर्णतः जलमग्न है, इस संबंध में उपस्थित प्रभारी खनिज निरीक्षक श्री सुरेश कुलस्तें द्वारा खनिज अधिकारी का पत्र क्रमांक 1085 दिनांक 29/09/2023 प्रस्तुत किया जिसमें उल्लेख है कि उक्त खदान बाघ नदी में स्वीकृत है, महाराष्ट्र राज्य की सीमा से बांध होने से उक्त नदी में जलभराव की स्थिति रहती है नदी में दिसम्बर से मई तक पानी नहीं रहने से खनिज रेत उत्खनन का कार्य किया जावेगा ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार स्टेण्डर्ड शर्तों के साथ अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत 44,100 घनमीटर/वर्ष हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 15,14 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 07.87 लाख प्रति वर्ष ।
2. खदान संचालन शुरू करने के पहले परियोजना प्रस्तावक जिला मत्स्य पालन विभाग अधिकारी का अभिमत प्राप्त करेंगा कि खनन क्षेत्र में कोई Prawn Breeding Center तो नहीं है और यदि किसी क्षेत्र का संज्ञान होगा तो अनुकूल रोकथाम के उपाय विषय विशेषज्ञ के सुझाव अनुसार अपनाये जायेंगे ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि(रु. में)
ग्राम परसोड़ी के शासकीय स्कूल में अधोसंरचना विकास में सहयोग हेतु आर. ओ. वाटर कूलर के लिए 50,000 रुपये की राशि शिक्षक पालक संघ समिति परसोड़ी के खाते में भू - प्रवेश के 03 माह के अंदर जमा कर दी जावेगी । भू प्रवेश के 3 माह के अंदर	50,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 3 वर्षों तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 5880 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास गटायन के बीज एवं स्थानीय घास	1600

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

	6 पंक्तियों में)	एवं स्थानीय घास	
		4-5 पंक्ति - कटंग बांस	400
		6 पंक्ति - गूगल, करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, शहतूत एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियां	300
2	ग्राम परसोड़ी के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातिया	3580
✓ वृक्षों का रोपण एवं वितरण प्रथम वर्ष में पोधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा खनन अवधि तक कराया जायेगा । ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा । ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पोधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे । ✓ टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख - रखाव किया जावेगा । • परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थनीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेंगे तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी। रोपित पौधे की सुरक्षा के पर्याप्त उपाय स्थानीय स्तर पर सुनिश्चित किया जावेगा ।			

अनुशंसा :- प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर अपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुसंशा की जाती है ।

17. Case No 10357/2023 Shri Puran Lakshkar, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-1A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal. Prior Environment Clearance for Kaudiya Sand Quarry in an area of 4.292 ha. (25752 cum per year) (Khasra No. 117), Village-Kaudiya, Tehsil-Lalbarra, District-Balaghat (MP)

आज दिनांक 29/09/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री पूरन लक्ष्यकार एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. उपस्थित हुए और बैठक के दौरान प्रभारी खनिज निरीक्षक श्री सुरेश कुलस्ते उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष उपस्थित हुये ।

प्रस्तुतीकरण के पूर्व में ही पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा अपने पत्र दिनांक 29/09/23 बताया गया कि प्रश्नाधीन खदान जिनके प्रकरण क्रमांक 10390/2023 एवं 10350/2023, 10358/2023, 10357/2023 तथा 10351/2023 है, SEAC प्रस्तुतीकरण से पूर्व सभी 05 खदानों की KML एक साथ ओपन करने पर 500 मीटर की

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

परिधी में अन्य रेत खदान स्वीकृत होने के कारण B-1 श्रेणी में पाई गई है, जबकि नवीन एकल प्रमाण – पत्र में क्लस्टर की जानकारी भिन्न है। अतः राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 683 वी बैठक दिनांक 29.09.2023 में मेरे द्वारा जिला बालाघाट की 05 रेत खदानों का प्रस्तुतीकरण B-2 श्रेणी में देना उचित नहीं होगा

उपरोक्त संबंध में समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि प्रथम दृष्टया त्रुटी पाई जाये तो उसका निराकरण तत्समय किया जा सके, अतः इन सभी प्रकरणों को बी.1 श्रेणी कर माना जाये। चूँकी दोनों प्रकरणों एक ही जिले से संबंधित है। अतः इस विषय में संबंधित जिले के माईनिंग के अधिकारी से स्पष्टिकरण लिया जावे, एवं अतः समिति का यह भी निर्णय संबंधित जिला के जिलाध्यक्ष के संज्ञान में सिया स्तर से लाया जावे।

18. Case No 10282/2023 Shri Puran Lakshkar, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-1A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal. Prior Environment Clearance for Ghoti Sand Quarry in an area of 2.90 ha. (19140 cum per year) (Khasra No. 1/1), Village-Ghoti, Tehsil-Khairlanji, District-Balaghat (MP)

प्रस्तावित खदान का समिति की पूर्व 676वीं बैठक दिनांक 11/09/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरण सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए।

आज दिनांक 29/09/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री पूरन लक्ष्यकार एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. उपस्थित हुए और बैठक के दौरान प्रभारी खनिज निरीक्षक श्री सुरेश कुलस्तें उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष उपस्थित हुये।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri PURAN LAKSHKAR, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, District Bhopal (M.P.) 462011.	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	1/1 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	2.90 h a.
स्थल	Village Ghoti, Tehsil Khairlanji District Balaghat Madhya Pradesh.	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज अनुसार स्थिति	यह खदान चंदन नदी में स्थित है, खदान क्षेत्र में से नदी की पतली धारा निकल रही है, जिसको सरफेस मेप में दर्शाया है ।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-19,140 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-19,140 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 648 दिनांक 03/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 648 दिनांक 03/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 648 दिनांक 03/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 20/07/23 अनुसार ग्राम पंचायत ठहराव प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रस्तुत करेंगे ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-92 के सरल क्रमांक-35 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल-73,080 मै.टन उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 19,140 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार स्टेण्डर्ड शर्तों के साथ अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत 19,140 घनमीटर/वर्ष हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 13,59 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 07.72 लाख प्रति वर्ष ।

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

2. खदान संचालन शुरू करने के पहले परियोजना प्रस्तावक जिला मत्स्य पालन विभाग अधिकारी का अभिमत प्राप्त करेगा कि खनन क्षेत्र में कोई Prawn Breeding Center तो नहीं है और यदि किसी क्षेत्र का संज्ञान होगा तो अनुकूल रोकथाम के उपाय विषय विशेषज्ञ के सुझाव अनुसार अपनाये जायेंगे ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.30 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि(रु. में)
ग्राम घोटी के शासकीय स्कूल में बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी जांच (जैसे – मलेरिया, डेंगू) शिविर के लिए Health & Wellness Center / जन आरोग्य समिति के खाते में 30,000 रुपये की राशि भू – प्रवेश के 03 माह के अंदर जमा कर दी जावेगी । भू प्रवेश के 3 माह के अंदर	30,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 3 वर्षों तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3480 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास गटायन के बीज एवं स्थानीय घास एवं स्थानीय घास	1900
		4-5 पंक्ति – कटंग बांस	500
		6 पंक्ति – गूल, करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, शहतूत एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ	300
2	ग्राम- घोटी के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातिया	780

- ✓ वृक्षों का रोपण एवं वितरण प्रथम वर्ष में पौधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा खनन अवधि तक कराया जायेगा ।
- ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा ।
- ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे ।
- ✓ टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधारोपण एवं रख – रखाव किया जावेगा ।
- परिवहन मार्ग या अन्य स्थलों पर स्थानीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेगें तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ति की जा सकेगी। रोपित पौधे की सुरक्षा के पर्याप्त उपाय स्थानीय स्तर पर सुनिश्चित किया जावेगा ।

**683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023**

अनुशंसा :- प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर अपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है ।

19. **Case No 10391/2023 Shri Puran Lakshkar, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-1A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal. Prior Environment Clearance for Kukda Sand Quarry in an area of 2.00 ha. (18000 cum per year) (Khasra No. 258), Village-Kukra, Tehsil-Balaghat, District-Balaghat (MP)**

प्रस्तावित खदान का समिति की पूर्व 676वीं बैठक दिनांक 11/09/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरण सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए ।

आज दिनांक 29/09/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री पूरन लक्ष्यकार एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. उपस्थित हुए और बैठक के दौरान प्रभारी खनिज निरीक्षक श्री सुरेश कुलस्तें उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष उपस्थित हुये ।

प्रस्तुतीकरण के पूर्व में ही पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा अपने पत्र दिनांक 29/09/23 बताया गया कि प्रश्नाधीन खदान जिनके प्रकरण क्रमांक 10390/2023 एवं 10350/2023, 10358/2023, 10357/2023 तथा 10351/2023 हैं, SEAC प्रस्तुतीकरण से पूर्व सभी 05 खदानों की KML एक साथ ओपन करने पर 500 मीटर की परिधी में अन्य रेत खदान स्वीकृत होने के कारण B-1 श्रेणी में पाई गई है, जबकि नवीन एकल प्रमाण – पत्र में क्लस्टर की जानकारी भिन्न है। अतः राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 683 वी बैठक दिनांक 29.09.2023 में मेरे द्वारा जिला बालाघाट की 05 रेत खदानों का प्रस्तुतीकरण B-2 श्रेणी में देना उचित नहीं होगा

उपरोक्त संबंध में समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि प्रथम दृष्टया त्रुटी पाई जाये तो उसका निराकरण तत्समय किया जा सके, अतः इन सभी प्रकरणों को बी.1 श्रेणी कर माना जाये। चूँकी दोनों प्रकरणों एक ही जिले से संबंधित है। अतः इस विषय में संबंधित जिले के माईनिंग के अधिकारी से स्पष्टिकरण लिया जावे, एवं अतः समिति का यह भी निर्णय संबंधित जिला के जिलाध्यक्ष के संज्ञान में सिया स्तर से लाया जावे।

20. **Case No 10281/2023 Shri Puran Lakshkar, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-1A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal. Prior Environment Clearance for Seoni Sand Quarry in an area of 4.00 ha. (26400 cum per year) (Khasra No. 442/1), Village- Seoni, Tehsil-Waraseoni, District-Balaghat (MP)**

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

प्रस्तावित खदान का समिति की पूर्व 676वीं बैठक दिनांक 11/09/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरण सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए ।

आज दिनांक 29/09/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री पूरन लक्ष्यकार एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri PURAN LAKSHKAR, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, District Bhopal (M.P.) 462011.	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	442/1 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	4.00 ha.
स्थल	Village Seoni, Tehsil Waraseoni District Balaghat Madhya Pradesh.	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज अनुसार स्थिति	यह खदान चंदन नदी में स्थित है, खदान में से नदी की पतली धारा निकल रही है ।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-26,400 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-26,400 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 672 दिनांक 03/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 672 दिनांक 03/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 672 दिनांक 03/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

	संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 20/07/23 अनुसार ग्राम पंचायत ठहराव प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रस्तुत करेंगे ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-90 के सरल क्रमांक-12 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल-1,00,800 मै.टन उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 26,400 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि अत्यंत लघु और छोटी संरचना प्रतीत होती है संवेदनशीला देखत हुये 100 मी. का सेडबेक को देखते हुये सरफेस मेप में दर्शाया गया है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार स्टैण्डर्ड शर्तों के साथ अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत 26,400 घनमीटर/वर्ष हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 14.67 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 07.18 लाख प्रति वर्ष ।
2. खदान संचालन शुरू करने के पहले परियोजना प्रस्तावक जिला मत्स्य पालन विभाग अधिकारी का अभिमत प्राप्त करेंगा कि खनन क्षेत्र में कोई Prawn Breeding Center तो नहीं है और यदि किसी क्षेत्र का संज्ञान होगा तो अनुकूल रोकथाम के उपाय विषय विशेषज्ञ के सुझाव अनुसार अपनाये जायेंगे ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.40 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि(रु. में)
ग्राम सिवनी के शासकीय स्कूल में अधोसंरचना विकास में सहयोग हेतु 05 टेबल एवं 05 कुर्सी के लिए 40,000 रुपये की राशि शिक्षक पालक संघ समिति सिवनी के खाते में भू - प्रवेश के 03 माह के अंदर जमा कर दी जावेगी ।	40,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 3 वर्षों तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास	1200

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

	6 पंक्तियों में)	गटायन के बीज एवं स्थानीय घास एवं स्थानीय घास	
		4-5 पंक्ति – कटंग बांस	350
		6 पंक्ति – गूल, करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, शहतूत एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियां	200
2	ग्राम- सिवनी के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातिया	3050
✓ वृक्षों का रोपण एवं वितरण प्रथम वर्ष में पोधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा खनन् अवधि तक कराया जायेगा । ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा । ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पोधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे । ✓ टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख – रखाव किया जावेगा । • परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थनीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेंगे तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी। रोपित पौधे की सुरक्षा के पर्याप्त उपाय स्थानीय स्तर पर सुनिश्चित किया जावेगा ।			

अनुशंसा :- प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर अपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुसंशा की जाती है ।

21. Case No 10283/2023 Shri Puran Lakshkar, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-1A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal. Prior Environment Clearance for Khairi Sand Quarry in an area of 4.00 ha. (60000 cum per year) (Khasra No. 854), Village-Khairi, Tehsil-Khairlanji, District-Balaghat (MP)

प्रस्तावित खदान का समिति की पूर्व 676वीं बैठक दिनांक 11/09/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरण सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए ।

आज दिनांक 29/09/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री पूरन लक्ष्यकार एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri PURAN LAKSHKAR, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, District Bhopal (M.P.) 462011.	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	854 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	4.00 ha.
स्थल	Village Khairi, Tehsil Khairlanji District Balaghat Madhya Pradesh.	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज अनुसार स्थिति	यह खदान वैनगंगा नदी में स्थित है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-60,000 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-60,000 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 641 दिनांक 03/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 641 दिनांक 03/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 641 दिनांक 03/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।	
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 20/07/23 अनुसार ग्राम पंचायत ठहराव प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रस्तुत करेंगे ।	
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-92 के सरल क्रमांक-43	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

	पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल-1,00,800 मै.टन उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 60,000 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।
--	--

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार स्टेण्डर्ड शर्तों के साथ अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत 60,000 घनमीटर/वर्ष हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 17.35 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 07.86 लाख प्रति वर्ष ।
2. खदान संचालन शुरू करने के पहले परियोजना प्रस्तावक जिला मत्स्य पालन विभाग अधिकारी का अभिमत प्राप्त करेगा कि खनन क्षेत्र में कोई Prawn Breeding Center तो नहीं है और यदि किसी क्षेत्र का संज्ञान होगा तो अनुकूल रोकथाम के उपाय विषय विशेषज्ञ के सुझाव अनुसार अपनाये जायेंगे
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि(रु. में)
सी.ई.आर. मद से 60,000 रुपये की राशि ग्राम खैरी के Health & Wellness Center /जन आरोग्य समिति के खाते में भू - प्रवेश के 03 माह के अंदर जमा कर दी जावेगी ।	60,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 3 वर्षों तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास गटायन के बीज एवं स्थानीय घास एवं स्थानीय घास	900
		4-5 पंक्ति - कटंग बांस	250
		6 पंक्ति - गूल, करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, शहतूत एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियां	150
2	ग्राम- खैरी के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातिया	3500

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

- ✓ वृक्षों का रोपण एवं वितरण प्रथम वर्ष में पोधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा खनन अवधि तक कराया जायेगा ।
- ✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा ।
- ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पोधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे ।
- ✓ टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख - रखाव किया जावेगा ।
- परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थानीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेंगे तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषकों को प्राथमिकता दी जावेगी तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ति की जा सकेगी। रोपित पौधे की सुरक्षा के पर्याप्त उपाय स्थानीय स्तर पर सुनिश्चित किया जावेगा ।

अनुशंसा :- प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर अपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुसंशा की जाती है ।

22. Case No 10284/2023 Shri Puran Lakshkar, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-1A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal. Prior Environment Clearance for Chicholi Sand Quarry in an area of 1.458 ha. (12247.20 cum per year) (Khasra No. 387), Village-Kanhadgaon, Tehsil-Khairlanji, District-Balaghat (MP)

प्रस्तावित खदान का समिति की पूर्व 676वीं बैठक दिनांक 11/09/23 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक एवं उनके पर्यावरण सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए ।

आज दिनांक 29/09/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री पूरन लक्ष्यकार एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / का नाम व पता	Shri PURAN LAKSHKAR, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, District Bhopal (M.P.) 462011.	
खसरा नं./क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	387 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लैंड)	1.458 ha.
स्थल	Village Chicholi, Tehsil Khairlanji, District Balaghat Madhya Pradesh.	
लीज स्वीकृति	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से	

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 29 सितम्बर 2023

	10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत ।
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2
रेत प्रकरणों में नदी का नाम/गूगल इमेज अनुसार स्थिति	यह खदान चंदन नदी में स्थित है, जिसका आंशिक भाग जल मग्न है । परियोजना प्रस्तावक ने जल मग्न क्षेत्र को सरफेस मैप में गैर खनन दर्शाया है ।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-12,247.2 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-12,247.2 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 638 दिनांक 03/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदानें संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 638 दिनांक 03/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में टाईगर रिजर्व/नेशनल पार्क/ अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बालाघाट के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 638 दिनांक 03/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेलवे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/ तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता /नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 20/07/23 अनुसार ग्राम पंचायत ठहराव प्रस्ताव समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण के दौरान प्रस्तुत करेंगे ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं-97 के सरल क्रमांक-41 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेन्शियल-26244.0 मै.टन उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 12,247.2 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार स्टेण्डर्ड शर्तों के साथ अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत 12,247.2 घनमीटर/वर्ष हेतु पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

- पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 08,95 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 04.64 लाख प्रति वर्ष ।
- खदान संचालन शुरू करने के पहले परियोजना प्रस्तावक जिला मत्स्य पालन विभाग अधिकारी का अभिमत प्राप्त करेगा कि खनन क्षेत्र में कोई Prawn Breeding Center तो नहीं है और यदि किसी क्षेत्र का संज्ञान होगा तो अनुकूल रोकथाम के उपाय विषय विशेषज्ञ के सुझाव अनुसार अपनाये जायेंगे ।
- सी.ई.आर. मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.20 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि(रु. में)
ग्राम चिचोली के शासकीय स्कूल में अधोसंरचना विकास में सहयोग हेतु 04 सोलर स्ट्रीट लाइट (5000रुपये प्रति पोल) के लिये 20,000 रुपये की राशि शिक्षक पालक संघ समिति चिचोली के खाते में भू – प्रवेश के 03 माह के अंदर जमा कर दी जावेगी ।	20,000

- निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 3 वर्षों तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1750 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास गटायन के बीज एवं स्थानीय घास एवं स्थानीय घास	450
		4-5 पंक्ति - कटंग बांस	150
		6 पंक्ति - गूल, करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, शहतूत एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ	80
2	ग्राम- चिचोली के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातिया	1070

✓ वृक्षों का रोपण एवं वितरण प्रथम वर्ष में पौधों का रख-रखाव स्वयं/ग्राम पंचायत/स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था/सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा खनन अवधि तक कराया जायेगा ।

✓ प्रस्तावित परियोजना में किसी भी पेड़ को काटा/उखाड़ा नहीं जायेगा ।

✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे ।

✓ टीप : वृक्षारोपण, बीजारोपण एवं रख-रखाव, मौके पर स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आस पास पौधरोपण हेतु जगह उपलब्धता लंबाई एवं चौड़ाई में नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में/ ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केंद्र/तहसील कार्यालय/अन्य शासकीय भूमि, विभाग की सहमति पर पौधरोपण एवं रख - रखाव किया जावेगा ।

• परिवहन मार्ग या अन्य स्थलो पर स्थनीय परिस्थितियों के कारण पर रोपण संभव न होने की स्थिति में नदी क्षेत्र से लगे ग्रामीणों को फलदार, बाँस पौधे प्रदाय किये जावेगें तथा नदी क्षेत्र से लगे कृषको को प्राथमिकता दी जावेगी

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

तथा पौधारोपण की शर्त अनुसार संख्या की पूर्ती की जा सकेगी। रोपित पौधे की सुरक्षा के पर्याप्त उपाय स्थानीय स्तर पर सुनिश्चित किया जावेगा।

अनुशंसा :- प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा के आधार पर अपरोक्त विशिष्ट शर्तों के साथ परियोजना को पूर्व पर्यावरण स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है ।

अध्यक्ष महोदय, की अनुमति से चर्चा के अन्य बिन्दु

- पूर्व में रेत खदानों के जिन प्रकरणों समिति द्वारा पर्यावरण स्वीकृति की अनुशंसा की गई है, उसमें वर्णित शर्तों के परिपालन के संबंध में संबंधित जिले के खनिज अधिकारी, पुष्टि कराकर सिया को अवगत करावें तथा वर्तमान में जिन प्रकरणों में पर्यावरण स्वीकृति की अनुशंसा की जा रही है, उसमें वृक्षारोपण सी.ई.आर एवं अन्य शर्तों का परिपालन माईनिंग कॉर्पोरेशन द्वारा सुनिश्चित किया जावेगा। पर्यावरण स्वीकृति शर्तों का परिपालन में देखना होगा।
- As per **Enforcement and Monitoring Guidelines for Sand Mining 2020** , Page no. 24 Para (r) minimum 7.5 meters (inward) “from the river.....bank” shall be restricted should be followed in verbatim as the para says.
- ऐसे प्रकरण जिसमें लीज ट्रांसफर हुई है।

समिति ने प्रकरण के परीक्षण में पाया पूर्व में डिया के अंतर्गत स्वीकृत प्रकरणों में अर्थात डिया से प्रदाय की गई ई.सी के शर्तों के बारे में स्पष्टता नहीं है कि जिन्हे नई खदान स्वीकृत हुई है, उन्हे ई.सी की शर्तों का पालन करना है या नहीं ? किसको करना है यह स्पष्ट नहीं है। और न ही खदान की भू-स्वामी की सहमति स्पष्ट है

इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि डिया के प्रकरणों में फार्म-1 में Re-appraisal से बचने के लिये ऐसे नई खदान के रूप में कई प्रकरण सामने आ सकते हैं अतः सिया स्तर पर नीतिगत निर्णय लिया जाना उचित होगा।

(चंद्र मोहन ठाकुर)
सदस्य सचिव

(डॉ. पी.सी. दुबे)
अध्यक्ष

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murum and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 29 सितम्बर 2023

19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
 - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - e. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
 - f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 29 सितम्बर 2023

34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- 'B'

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4th or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 29 सितम्बर 2023

16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.
18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - g. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - h. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - i. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - j. Minable Potential of sand mine.
 - k. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - l. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised)
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
 - i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
 - ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
 - iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
 - iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
 - v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 29 सितम्बर 2023

- vi. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
 - vii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
 - viii. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.
31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
 32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
 33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
 34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
 35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
 36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- ‘C’

Standard conditions applicable for the Sand deposits on Agricultural Land/ Khodu Bharu Type Sand Mine Quarries*

1. Mining should be done only to the extent of reclaiming the agricultural land.
2. Only deposited sand is to be removed and no mining/digging below the ground level is allowed.
3. The mining shall be carried out strictly as per the approved mining plan.
4. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
5. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
6. The mining activity shall be done as per approved mine plan and as per the land use plan submitted by PP.
7. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
8. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 29 सितम्बर 2023

9. For carrying out mining in proximity to any bridge and/or embankment, appropriate safety zone on upstream as well as on downstream from the periphery of the mining site shall be ensured taking into account the structural parameters, location aspects, flow rate, etc., and no mining shall be carried out in the safety zone.
10. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
11. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 issued by the MoEF&CC.
12. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
13. Thick plantation shall be carryout on the banks of the river adjacent to the lease, mineral evacuation road and common area in the village. PP would maintain the plants for five years including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations.
14. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
15. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
16. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
24. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
25. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
26. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - m. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - n. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - o. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - p. Minable Potential of sand mine.
 - q. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - r. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
27. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the nearby river banks for bank stabilization and to check soil erosion while dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

concern CCF (social forestry) and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.

28. Dense plantation shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
29. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme.
30. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
31. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. Plantation in adjoining forest land shall be carried out through concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
32. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
33. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
34. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
36. The monitoring of the compliance of the conditions incorporated in the Environmental Clearance issued prior to the State Mining Corporation shall be carried out through the District mining office at District level and compliances be communicated to SEIAA within 06 months.
37. Riparian habitat including vegetative cover on and adjacent to the river bank controls erosion, provide nutrient inputs into the stream and prevent intrusion of pollutants in the stream through runoff. Bank erosion and change of morphology of the river can destroy the riparian vegetative cover should be protected.
38. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to start of mining.
39. The State Mining Corporation shall constitute an Environmental Cell including minimum of three persons qualified in the field to ensure the compliance of EC conditions.
40. The State Mining Corporation shall ensure the compliance of the different provision made in the Sand Mining Management Guidelines-2016 & Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining 2020, with Special reference to the para 4.3 and para-8 at page no. 45 of the said Guidelines.
41. Sand and gravel shall not be allowed to be extracted where erosion may occur, such as at the concave bank.
42. The slope of mining area adjacent to agricultural fields should be proper (preferably 45 degree) and adequate gap (minimum 10 feet) be left from adjacement agricultural field to avoid erosion and scouning.
43. In sand mining over other areas apart from river bed replenishment study in the said area be carriedout every year by Mining Officer and subject to availability of sand quantity mining should allowed by Mining Officer during EC period as Sand replacement in such areas are subject to certain conditions and not a regular feature.

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 29 सितम्बर 2023

44. The top soil in Khodu-Bharu Sand mine shall be stored separately and shall be used for agriculture field only; it should not be washed away during sand washing process.

Annexure- 'D'

General conditions applicable for the granting of TOR

1. The date and duration of carrying out the baseline data collection and monitoring shall be informed to the concerned Regional Officer of the M.P Pollution Control Board.
2. During monitoring, photographs shall be taken as a proof of the activity with latitude & longitude, date, time & place and same shall be attached with the EIA report. A drone video showing various sensitivities of the lease and nearby area shall also be shown during EIA presentation.
3. An inventory of various features such as sensitive area, fragile areas, mining / industrial areas, habitation, water-bodies, major roads, etc. shall be prepared and furnished with EIA.
4. An inventory of flora & fauna based on actual ground survey shall be presented.
5. Risk factors with their management plan should be discussed in the EIA report.
6. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
7. The EIA document shall be printed on both sides, as far as possible.
8. All documents should be properly indexed, page numbered.
9. Period/date of data collection should be clearly indicated.
10. The letter /application for EC should quote the SEIAA case No./year and also attach a copy of the letter prescribing the TOR.
11. The copy of the letter received from the SEAC prescribing TOR for the project should be attached as an annexure to the final EIA/EMP report.
12. The final EIA/EMP report submitted to the SEIAA must incorporate all issues mentioned in TOR and that raised in Public Hearing with the generic structure as detailed out in the EIA report.
13. Grant of TOR does not mean grant of EC.
14. The status of accreditation of the EIA consultant with NABET/QCI shall be specifically mentioned. The consultant shall certify that his accreditation is for the sector for which this EIA is prepared. If consultant has engaged other laboratory for carrying out the task of monitoring and analysis of pollutants, a representative from laboratory shall also be present to answer the site specific queries.
15. On the front page of EIA/EMP reports, the name of the consultant/consultancy firm along with their complete details including their accreditation, if any shall be indicated. The consultant while submitting the EIA/EMP report shall give an undertaking to the effect that the prescribed TORs (TOR proposed by the project proponent and additional TOR given by the MOEF & CC) have been complied with and the data submitted is factually correct.
16. While submitting the EIA/EMP reports, the name of the experts associated with involved in the preparation of these reports and the laboratories through which the samples have been got analyzed should be stated in the report. It shall be indicated whether these laboratories are approved under the Environment (Protection) Act, 1986 and also have NABL accreditation.
17. All the necessary NOC's duly verified by the competent authority should be annexed.
18. PP has to submit the copy of earlier Consent condition /EC compliance report, whatever applicable along with EIA report.
19. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CER cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CER cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.
20. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 29 सितम्बर 2023

21. The name and number of posts to be engaged by the PP for implementation and monitoring of environmental parameters should be specified in the EIA report.
22. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.
23. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
24. Public Hearing has to be carried out as per the provisions of the EIA Notification, 2006. The issues raised in public hearing shall be properly addressed in the EMP and suitable budgetary allocations shall be made in the EMP and CER based on their nature.
25. Actual measurement of top soil shall be carried out in the lease area at minimum 05 locations and additionally N, P, K and Heavy Metals shall be analyzed in all soil samples. Additionally in one soil sample, pesticides shall also be analyzed.
26. A separate budget in EMP & CER shall be maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
27. PP shall submit biological diversity report stating that there is no adverse impact in- situ and on surrounding area by this project on local flora and fauna's habitat, breeding ground, corridor/ route etc. This report shall be filed annually with six-monthly compliance report.
28. The project proponent shall provide the mitigation measures as per MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area" with EIA report.
29. LPG gas may be provided for camping labour under "Ujjwala Yojna .
30. In the project where ground water is proposed as water source, the project proponent shall apply to the competent authority such as Central Ground Water Authority (CGWA) as the case may be for obtaining, No Objection Certificate (NOC).
31. Consideration of mining proposals involving violation of the EIA Notification, 2006, the project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 02/08/2017 in WP © No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause V/s Union of India & others before grant of TOR/EC. The under taking interalia includes commitment of the PP not to repeat any such violation in future as per MoEF&CC OM No. F.NO. 3-50/2017-IA.III (Pt.) dated 30/05/2018.
32. The mining project proponents involving violations of the EIA Notification, 2006 under the provisions of S.O. 804 (E) dated 14/03/2017 and subsequent amendments for TOR/EC shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 2nd August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. Before grant of TOR/EC the undertaking inter-alia include commitment of the PP not to repeat any such violation of future. In case of violation of above undertaking, the TOR/Environmental Clearance shall be liable to be terminated forthwith.
33. If the allotted land is private land and agricultural practices are being carried out in the nearby area, the effect of mining on agricultural practices shall be studied and discussed in the EIA report with the economic value of agricultural produce for last three years and details of total land holding of the PP in that district.
34. In case of mining on land where the land belongs to Charagah (Grazing) as per P-II form, proposal for development of equal area of land as grazing land shall be submitted with EIA report with its budgetary provisions. This Grazing land can be developed in consultation with DFO or Gram Panchayat of concerned area.
35. Under CER scheme commitments with physical targets shall be included in EIA report for:
 - ✓ Proposal for CER activities based upon commitment made during public hearing and COVID-19 pandemic.
 - ✓ Activities such as solar panels in school, awareness camps for Oral Hygiene, Diabetes and Blood Pressure, works related to plantation (distribution of fruit & fodder bearing trees) vaccination, cattle's health checkup etc. in concerned village shall be proposed.
 - ✓ No fuel wood shall be used as a source of energy by mine workers. Thus proposal for providing solar cookers / LPG gas cylinders under "Ujjwala Yojna" to them who are residing in the nearby villages, shall be considered.
 - ✓ PP's commitment that activities proposed in the CER scheme will be completed within initial 03 years of the project and in the remaining years shall be maintained shall be submitted with EIA report.

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 29 सितम्बर 2023

36. Under Plantation Scheme commitments with budgetary allocations shall be included in EIA report for :
- ✓ Comprehensive green belt plan with commitment that entire plantation shall be carried out in the initial three years and will be maintained thereafter with causality replacement. Proposal for distribution of fruit bearing species for nearby villagers shall also be incorporated in the plantation scheme and for which a primary survey for need assessment in concerned village shall be carried out.
 - ✓ Commitment that plantation shall be carried out preferably through Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
 - ✓ Commitment that high density plantation (preferably using “Miyawaki Technique or WALMI technique) shall be developed in 7.5m barrier zone left for plantation through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency.
 - ✓ Commitment that local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land suitable for the purpose through Forest Department/ through Gram Panchayat on suitable community land in the concerned village area.
 - ✓ PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
 - ✓ Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, minimum 50 saplings be planted considering 80% survival.
 - ✓ Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.

FOR PROJECTS LOCATED IN SCHEDULED (V) TRIBAL AREA , following should be studied and discussed in EIA Report before Public Hearing as per the instruction of SEIAA vide letter No. 1241 dated 30/07/2018.

37. Detailed analysis by a National Institute of repute of all aspects of the health of the residents of the Schedule Tribal block.
38. Detailed analysis of availability and quality of the drinking water resources available in the block.
39. A study by CPCB of the methodology of disposal of industrial waste from the existing industries in the block, whether it is being done in a manner that mitigate all health and environmental risks.
40. The consent of Gram Sabah of the villages in the area where project is proposed shall be obtained.

खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश :-

- नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए ।
- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है ।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु मल्टिप्लिंग जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए ।
- नोट 4 :-** परिवहन मार्ग के किनारे लगाये जाने वाले पेड़ों के चारों ओर ट्री गार्ड होना आवश्यक है । इसी प्रकार स्कूल/ ऑगनवाडी/पंचायत भवन इत्यादि में प्रस्तावित वृक्षारोपणों के चारों ओर सुरक्षा के इंतजाम जैसे फेंसिंग/ट्री गार्ड आवश्यक रूप से प्रस्तावित किये जाये ।
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य (विशेष रूप से वाटर चैनल के किनारे तथा उत्पत्ति स्थान पर) किया जाना चाहिए ।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 – 03.0 फिट	03-05 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 – 05.5 फिट	05-10 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में)		

683वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 29 सितम्बर 2023

	तीन वर्षों तक ।	
4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं प्राथमिकता पर जैविक खाद	

नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई उपचार, वर्षा पूर्व रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् रोपण ।
- अंकुरण पश्चात् 4 से 6 पत्तियों आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना ।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना ।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

नोट – 8 :- रेत के प्रकरणों में (पौधों की ऊँचाई न्यूनतम 1.5 मीटर)

1	एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति की दूरी एवं दूसरी से तीसरी पंक्ति शाकीय पौधे जैसे : खस, घास, अगेव स्थानीय घास बीजप्रजातियाँ ।	1.00 से 1.5 मीटर (पंक्ति में पौधों के बीच की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर)
2	4 पंक्ति से 5वीं पंक्ति (वृक्ष प्रजाति)	न्यूनतम दूरी 3 मीटर (पौधों के बीच में दूरी 03 मीटर)
3	6वीं पंक्ति 3.0 से 5.0 मीटर (वृक्ष प्रजाति)	पौधों के बीच में 3 से 5 मीटर

- (चयनित प्रजातियों एवं नदी के किनारों पर भूमि की उपलब्धता को ध्यान में रखकर आवंटित क्षेत्र से बाहरी दिशा में 10 से 15 मीटर की चौड़ाई में हरित पट्टी विकसित किया जाये)
- नोट – 9 :- छठी पंक्ति हेतु पौधों की सुरक्षा अवधि न्यूनतम 3 वर्ष
- जामुन, कहवा, करंज, नीम, पौधों में पौधों की दूरी 2.5 मीटर से 5 मीटर लसोड़ा, करंज, आम, इत्यादि ।
- नोट – प्रथम तीन पंक्तियों के पौधों के मध्य में एक वर्षीय औषधि प्रजातियों का बीच छिड़काव ।

1	पहली, दूसरी, तीसरी पंक्ति हेतु (स्थानीय घास प्रजातियाँ, खस घास बीजअगेव आदि)	पंक्ति से पंक्ति की दूरी 01 से 10.5 फीट पंक्ति में पौधों से पौधों की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर ।
2	स्थानीय झाड़ी प्रजाति के पौधे	01 11.6 फीट
3	चौथी से पाँचवी, छठवीं पंक्ति हेतु बॉस एवं स्थानीय झाड़ी प्रजाति ।	पंक्ति की दूरी 2.5 मीटर से 3 मीटर पंक्ति में पौधों की दूरी 3 मीटर से 5 मीटर

- मौसमी नदी के न्यूनतम 05 मीटर तथा पेरिनियल रिवर में न्यूनतम 10मी तक घाटों के किनारे स्थित वृक्षों, झाड़ियों, लताओं को और घास को क्षति नहीं पहुँचाई जायेगी।
- रेत निकासी परिवहन मार्ग निजी भूमि से होकर जाता है तो संबंधित कृषक/कृषको से सहमति पश्चात् ही परिवहन किया जायेगी ।
- खदान संचालन शुरू करने के पहले परियोजना प्रस्तावक जिला मत्स्य पालन विभाग अधिकारी का अभिमत प्राप्त करेगा कि खनन क्षेत्र में कोई चतुर्दम उत्तममकपदह बमदजमत तो नहीं है और यदि किसी क्षेत्र का संज्ञान होगा तो अनुकूल रोकथाम के उपाय विषय विशेषज्ञ के सुझाव अनुसार अपनाये जायेंगे ।